

तुम कब जाओगे, अतिथि

- शरद जोशी

मौखिक प्रश्न-उत्तर -

1. अतिथि कितने दिनों से लेखक के घर पर रह रहा है?

उत्तर : अतिथि चार दिनों से लेखक के घर पर रह रहा है।

2. कैलेंडर की तारीखें किस तरह फड़फड़ा रही हैं?

उत्तर: कैलेंडर की तारीखें अपनी सीमा में नम्रता से फड़फड़ा रही हैं।

3. पति-पत्नी ने मेहमान का स्वागत कैसे किया?

उत्तर : पति ने स्नेह-भरी मुस्कराहट के साथ गले मिलकर तथा पत्नी ने सादर नमस्ते कहकर मेहमान का स्वागत किया।

4. दोपहर के भोजन को कौन-सी गरिमा प्रदान की गई?

उत्तर : दोपहर के भोजन को लंच की गरिमा प्रदान की गई।

5. तीसरे दिन सुबह अतिथि ने क्या कहा?

उत्तर : तीसरे दिन अतिथि ने धोबी से कपड़े धुलवाने की बात कही।

6. सत्कार की ऊष्मा समाप्त होने पर क्या हुआ?

उत्तर: सत्कार की ऊष्मा समाप्त होने पर लेखक डिनर से खिचड़ी पर आ गए।

लिखित प्रश्न-उत्तर -

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर (25-30 शब्दों में)

लिखिए -

1. लेखक अतिथि को कैसी विदाई देना चाहता था?

उत्तर: लेखक अतिथि को एक भावभीनी विदाई देना चाहता था। वह चाहता था कि जब अतिथि जाए तो पति-पत्नी उसे स्टेशन तक छोड़ने जाए। वे उन्हें सम्मानजनक विदाई देना चाहते थे।

2. पाठ में आए निम्नलिखित कथनों की व्याख्या कीजिए -

(क) अंदर ही अंदर कहीं मेरा बटुआ काँप गया।

उत्तर: (क) जब लेखक ने अपने घर आए बिन बुलाए अतिथि को देखा था तब उन्हें लगा कि मेहमाननवाज़ी करने से उनका खर्च बढ़ जायेगा इसलिए उनका बटुआ काँप गया यानी उन्हें अत्याधिक खर्च होने का एहसास हुआ।

(ख) अतिथि सदैव देवता नहीं होता, वह मानव और थोड़े अंशों में राक्षस भी हो सकता है।

(ख) भारतीय संस्कृति में अतिथि को देवता समान माना गया है। परन्तु यही बिनबुलाए अतिथि इतनी महँगाई के समय में जब ज्यादा दिन टिक जाए तो वह बोझ लगने लगता और थोड़े अंशों में राक्षस प्रतीत होता है।

(ग) लोग दूसरे के होम की स्वीटनेस को काटने न दौड़ें।

(ग) हर व्यक्ति अपने घर को सजाता है, सुख-शान्ति स्थापित करता है। अपने घर को स्वीट होम बनाता है पर दूसरों के घर की स्वीटनेस यानी मधुरता को नष्ट करना चाहते हैं। जब कोई अनचाहा व्यक्ति आकर घर में रहने लगता है तो घर की मधुरता और स्वतंत्रता समाप्त हो जाती है।

(घ) मेरी सहनशीलता की वह अंतिम सुबह होगी।

(घ) अतिथि लेखक के घर पर चार दिनों से रह रहा था। वह मन ही मन सोचता है कि - कल पाँचवा दिन हो जाएगा। यदि कल भी अतिथि नहीं गया तो लेखक अपनी सहनशीलता खो बैठेगा और अतिथि सत्कार भूलकर 'गेट आउट' बोलने में देर नहीं लगाएगा।

(ङ) एक देवता और एक मनुष्य अधिक देर साथ नहीं रहते।

(ङ) भारत में अतिथि को देवता मानते हैं। जो थोड़ी ही देर दर्शन देकर चले जाते हैं - वहीं देवता होता है, और जो आकर टिक जाए - वह देवता नहीं बल्कि राक्षस की श्रेणी में चला जाता है। लेखक बताना चाह रहा है कि भिन्न स्वभाव होने के कारण देवता और मनुष्य कभी एक साथ नहीं रह सकते।

(ख) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर (50 -60 शब्दों में) लिखिए -

1. कौन-सा आघात अप्रत्याशित था और उसका लेखक पर क्या प्रभाव पड़ा?

उत्तर: तीसरे दिन जब अतिथि ने धोबी से कपड़े धुलवाने की इच्छा प्रकट की तो लेखक के लिए ये अप्रत्याशित आघात था चूँकि उन्हें लगा था कि वे चले जाएंगे। धोबी को कपड़े धुलने देने का मतलब था कि अतिथि अभी जाना नहीं चाहता। इस आघात का लेखक पर यह प्रभाव पड़ा कि उनके मन में अतिथि के लिए तिरस्कार की भावना आने लगी और सत्कार की ऊष्मा समाप्त हो गयी। वह अतिथि को राक्षस समझने लगा।

2. 'संबंधों का संक्रमण के दौर से गुज़रना' -इस पंक्ति से आप क्या समझते हैं? विस्तार से लिखिए।

उत्तर: 'संबंधों का संक्रमण के दौर से गुज़रना' - इस पंक्ति का आशय है संबंधों में परिवर्तन आना। जो संबंध आत्मीयतापूर्ण और मधुरता लिए थे अब घृणा और तिरस्कार में बदलने लगे। जब लेखक के घर अतिथि आया था तो उसके संबंध सौहार्द पूर्ण थे। उसने उनका स्वागत प्रसन्नता पूर्वक किया था। लेखक ने अपनी ढीली-ढाली आर्थिक स्थिति के बाद भी उसे शानदार डिनर, लंच खिलाया और सिनेमा भी दिखाया। लेकिन जब अतिथि चार-पाँच दिन रुक गया तब स्थिति में बदलाव आने लगा और संबंध बदलने लगे।

3. जब अतिथि चार दिन तक नहीं गया तो लेखक के व्यवहार में क्या-क्या परिवर्तन आए?

उत्तर: जब अतिथि चार दिन तक नहीं गया तो लेखक के व्यवहार में कई परिवर्तन आए—

- लेखक के धैर्य ने जवाब दे दिया उसने अतिथि के साथ मुस्कुराकर बात करना छोड़ दिया।
- बातचीत के विषय समाप्त हो गए। सौहार्द व्यवहार अब बोरियत में बदल गया।
- लंच डिनर अब खिचड़ी पर आ गए। इसके बाद लेखक उपवास तक जाने की तैयारी करने लगा।
- लेखक अतिथि को 'गेट आउट' तक कहने के लिए भी तैयार हो गया।

ALL THE BEST!!